कोटद्वार, सोमवार
11 मार्च 2024
वर्षः 45
अंकः 306 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

कोटद्वार के बेहतर विकास के लिए काम कर रही सरकारः सीएम

● कोटद्वार में लाभार्थी सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए बोले सीएम पुष्कर धामी ● योजना की लाभांवित महिलाओं को सीएम ने बांटे चेक व सामान

कोटद्वार में रोड शो करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

कोटद्वार में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

कोटद्वार में योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरित करते मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार के बेहतर विकास के लिए कार्य कर रही है। कोटद्वार वह क्षेत्र है जहां से चारधाम की यात्रा प्रारंभ होती है। इसलिए हमारा प्रयास है कि यहां के गौरव को स्थापित किया जाए। पूर्व में आपदा की मार झेल चुके कोटद्वार को पुनः आगे बढ़ाने के लिए सरकार संकल्पवद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 तक उत्तराखंड को हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। संपदा व अन्य स्त्रोतों से राज्य की आय बढ़ाने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कहा कि उन्होंने रविवार को प्रदेश के लिए आठ हजार दो सौ 72 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया है। जिसका लाभ गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कौड़िया में गब्बर सिंह कैंप को जोड़ने वाली पुलिया का निर्माण भी जल्द करवाने का आश्वासन दिया। कहा कि जनता के हितों के लिए वह पूरी गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। उनका हर पल प्रदेश की तरक्की के लिए है।

रविवार को करीब दो बजे मुख्यमंत्री हेलीकप्टर से कोटद्वार पहुंचे। यहां उन्होंने नजीबाबाद रोड स्थित एक बारात घर से बदरीनाथ मार्ग स्थित कार्यक्रम स्थल तक रोड शॉ भी किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को बेहतर प्रदेश बनाने के लिए केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने रविवार को देहरादून में प्रदेश के लिए आठ हजार दो सौ 72 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया है। इन योजनाओं का लाभ कोटद्वार को भी मिलेगा। कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार एकसाथ मिलकर उत्तराखंड के बेहतर विकास में अपना योगदान दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक उत्तराखंड का विजन दिया है। इसे पूरी गंभीरता के साथ पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि 60 वर्षों तक जिन लोगों ने देश में शासन किया उन्होंने कभी भी गरीब जनता की सुध नहीं ली। वह केवल अपने परिवार के हितों में ही लगे रहे। कहा कि आज की मोदी सरकार गरीब व असहाय परिवारों की मदद के लिए योजनाएं बना रही है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से कोटद्वार नगर निगम को पानी के लिए 233 करोड़ की योजनाओं का लाभ मिला है। लालढांग–चिल्लरखाल मोटर मार्ग मरम्मत के लिए भी धनराशि उपलब्ध करवाई गई है। सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की तरक्की में अपना योगदान दे रहे हैं। इस मौके पर राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, जिलाध्यक्ष वीरेंद्र रावत, विधायक लैंसडौन दिलीप सिंह रावत, यमकेश्वर विधायक रेनू बिष्ट, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अण्थ्वाल, विधानसभा कोटद्वार प्रभारी मनोज जखमोला आदि मौजूद रहे।

अगला सांसद कोई भी बने पर मैं जनता के बीच रहूंगा

कार्यक्रम स्थल में अपना संबोधन दे रहे तीरथ सिंह रावत को जब समय पर अपना भाषण पूरा करने के लिए कहा गया तो वह कहने लगे कि अगला सांसद कौन होगा पता नहीं। लेकिन, अभी तो उन्हें ठीक से बोलने तो। उन्होंने कहा कि वह पूरे पांच वर्ष जनता के बीच रहे। संसद में भी उन्होंने क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सांसद ने कहा कि कई लोग मीडिया में बोलते हैं लेकिन, मैं जनता के बीच जाकर बोलता हूं और खुलकर बोलता हूं। कहा कि नया दौर शुरू होने वाला है अब जिसका भी दौर हो हमारा तो कमल का ही फूल है।

एक नजर

यूकेएसएसएससी पेपर लीक प्रकरण में एक और आरोपित को गिरफ्तार, 62वीं गिरफ्तारी

देहरादून। यूकेएसएसएससी पेपर लीक प्रकरण में उत्तराखंड पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिस पर 50 हजार रुपये इनाम भी था। प्रकरण में अब तक एसटीएफ 62 आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान काशान खान निवासी मोहल्ला हुसैनी थाना रसूलपुर जिला फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। एसटीएफ की पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन सिंह ने बताया कि काशान की बहन की शादी वर्ष 2022 में हुई। शादी के लिए रुपये जमा करने के लिए उसने वर्ष 2018 से लखनऊ की आरएमएस कंपनी में पेपर पैकिंग, न्यूमैरिक टाइपिंग और प्रिंटिंग मशीन में काम करने लगा। वह कंपनी में काम करने वाले रूपेंद्र जायसवाल और सादिक मूसा के कहने पर उत्तराखंड में चार–पांच दिसंबर 2021 को होने वाले स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा के पेपर को 4 से 5 लाख रुपए के लालच में कंपनी के अंदर पेपर पैकिंग के दौरान अपने कपड़ों में छुपा कर बाहर लेकर आया। इसके बाद उसने पेपर रूपेंद्र जायसवाल और सादिक मूसा को दे दिया। जब उसे आरोपितों की गिरफ्तारी के बारे में पता लगा तो वह फरार हो गया।

हेमकुंड साहिब यात्रा पथ पर भारी बर्फ

चमोली। सिखों के प्रसिद्ध हिमालयी तीर्थ हेमकुंड साहिब पैदल यात्रा मार्ग पर अभी भी भारी बर्फ जमी है। बर्फ से कई फुट पैदल मार्ग भी टूटे पड़े हैं। बीते सालों की अपेक्षा इस बार हेमकुंड साहिब और हेमकुंड यात्रा मार्ग पर अधिक बर्फ जमी है। यात्रा मार्ग की मौजूदा स्थिति के बारे में बताते हुए गोविन्द घाट हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया इस बार हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर गत वर्षों की अपेक्षा अधिक बर्फ जमी है। भारी बर्फ से कुछ परेशानी बढ़ सकती है। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर कुछ नये हिमखंड भी आये हैं।

महिला का शव मिला

चमोली। चमोली जिले के नन्दा नगर घाट के सुदूरवर्ती गांव प्राणमति में एक महिला का शव घर की छत से लटका मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से से मिली जानकारी अनुसार नन्दानगर पुलिस को सूचना मिली कि प्राणमति गांव की सरिता पत्नी वीरेंद्र ने फांसी लगा दी है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल में पहुंची। जहां महिला का शव लटका मिला।

बदरीनाथ हाईवे से जुड़ेगी 25 ग्राम पंचायतों की 20 हजार की आबादी

रुद्रप्रयाग। तल्लानागपुर एवं दशज्यूला क्षेत्र की लगभग 25 ग्राम पंचायतों की 20 हजार की आबादी सीधे बदरीनाथ हाईवे से जुड़ सकेगी। लंबे इंतजार के बाद विश्व बैंक के सहयोग से अलकनंदा नदी पर 95 मीटर लंबे नगरासू–कोठगी मोटरपुल निर्माण को 19.75 करोड़ की स्वीकृति मिल चुकी है। इससे अब क्षेत्रीय ग्रामीणों को अतिरिक्त दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। उक्त मोटरपुल निर्माण के लिए निर्माणदायी संस्था लोनिवि जल्द ही वन विभाग के साथम मिलकर संयुक्त सर्वे करेगा। इसके बाद डिजाइन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद डीपीआर तैयार कर शासन को भेजेगा। वर्ष 2020–21 में नगरासू–कोठगी मोटरपुल निर्माण के लिए स्वीकृति मिली थी, लेकिन बीआरओ की एनओसी न मिलने समेत कई कारणों के चलते मोटरपुल का निर्माण लटका रहा। इससे स्थानीय ग्रामीणों को करीब 20 से 25 किमी की अतिरिक्त दूरी तय कर जिला मुख्यालय पहुंचना पड़ रहा था। इसके साथ ही गांवों के बीमार लोगों को चिकित्सालय पहुंचने में काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही थी। यहीं नहीं नवंबर 2021 में स्थानीय लोगों ने पुल निर्माण को लेकर आंदोलन भी किया था। इस दौरान विधायक भरत सिंह चौधरी ने शीघ्र पुल निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति दिलाने का भरोसा दिया था। वर्ष 2022 में पुल निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर वित्तीय स्वीकृति के लिए शासन को भेजा गया था। इसके बाद जनवरी में अलकनंदा नदी में 95 मीटर नगरासू–कोठगी मोटरपुल निर्माण के लिए विश्व बैंक से 19.75 करोड़ की स्वीकृति मिली। इससे ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग भी पूरी हो चुकी है। मोटरपुल निर्माण का जिम्मा लोनिवि प्रखंड रुद्रप्रयाग को दिया गया है।लोनिवि एवं वन विभाग पुल निर्माण के लिए संयुक्त सर्वेक्षण कार्य करेगा। पुल निर्माण का डिजाइन समेत तमाम औपचारिताएं पूर्ण होने के बाद विभाग पुल की डीपीआर तैयार करेगा। इसके बाद डीपीआर को स्वीकृति के लिए शासन को भेजा जाएगा।

हाईवे पर दुकान में घुसा ट्रक

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा–हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग में लोधिया के पास शनिवार देर शाम एक ट्रक अचानक मिठाई की दुकान में जा घुसा। इस दौरान काउंटर में खड़ा दुकान स्वामी बाल–बाल बच गया। ट्रक की चपेट में आने से काउंटर व दुकान क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार हल्द्वानी की ओर जा रहा एक ट्रक चालक लोधिया पुलिस बैरियर से आगे एक दुकान के पास रुका। चालक ने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा किया। जिसके बाद चालक व परिचालक दोनों पास की दुकान में चले गए। बताया जा रहा है कि चालक ने ट्रक का हैंडब्रेक नहीं लगाया था।

प्रेशर बढ़ने से ट्रक ढलान की ओर चल पड़ा और कुछ दूरी पर जाकर एक मिठाई की दुकान में जा घुसा, जिससे अफरा–तफरी मच गई। सूचना के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर घटनास्थल पहुँची। पुलिस चालक व परिचालक दोनों को कोतवाली ले आई। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जगदीश देउपा ने बताया कि चालक व परिचालक दोनों के मेडिकल की कार्यवाही चल रही है।

भारतीय समुद्रयान 2025 अंत तक समुद्र तल की शोध के लिए होगा तैयार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि भारत को अगले साल के अंत तक विज्ञानियों को अपने समुद्रयान में छह किमी नीचे गहरे समुद्र के अध्ययन के लिए भेजने में सक्षम हो जाना चाहिए। भारत की गहरे समुद्र में मत्स्य 6000 का परीक्षण इस साल के अंत तक किया जा सकता है। रिजिजू ने कहा कि जब आप समुद्रयान के बारे में बात कर रहे हैं, तो आप समुद्र के अंदर छह किमी की गहराई तक जाने के मिशन के बारे में बात कर रहे हैं, जहां प्रकाश भी नहीं पहुंच सकता। मिशन ठीक चल रहा है। परियोजना की समीक्षा की है और इस साल के अंत तक विज्ञानियों को पहला परीक्षण करने में सक्षम होना चाहिए। मुझे विश्वास है कि 2025 के अंत तक हमें अपने मानव दल को गहरे समुद्र में भेजने में सक्षम होना चाहिए।

साल 2021 में इस मिशन की हुई थी शुरुआत

इस मिशन की शुरुआत 2021 में हुई थी। इसमें तीन सदस्यों के दल को भेजने के लिए डिजाइन मत्स्य 6000 का उपयोग कर मध्य हिंद महासागर में समुद्र तल तक पहुंचकर शोध करना है। यह सेंसर और उपकरणों से सुसज्जित होगा। इसकी परिचालन क्षमता 12 घंटे होगी। आपात स्थिति में इसे 96 घंटे तक बढ़ाया जा सकता है। अब तक अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और जापान जैसे देशों ने गहरे समुद्र में सफल मिशनों को अंजाम दिया है।

देश को 15 मार्च तक मिलेंगे दो नए चुनाव आयुक्त?

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे से बनी रिक्तियों को भरने के लिए 15 मार्च तक दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति होने की संभावना है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने जानकारी में बताया कि चयन समिति सदस्यों की सुविधा के आधार पर 13 या 14 मार्च को बैठक कर सकती है और नियुक्तियां 15 मार्च तक होने की संभावना है। निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की संभावित घोषणा से कुछ दिन पहले ही गोयल ने शुक्रवार सुबह चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया और कानून मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर इसकी घोषणा की। इससे मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार चुनाव प्राधिकरण के एकमात्र सदस्य रह गये हैं। पांडे 14 फरवरी को सेवानिवृत्त हुए हैं।

अरुण गोयल के इस्तीफे के कारण का नहीं हुआ खुलासा

गोयल के इस्तीफे के पीछे के कारणों से जुड़े सवाल पर सूत्रों ने बताया कि हो सकता है कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया हो।

गोयल और कुमार के बीच मतभेद की अटकलों को खारिज करते हुए सूत्रों ने कहा कि आंतरिक संचार और निर्णयों के रिकॉर्ड से पता चलता है कि गोयल द्वारा कोई असहमति दर्ज नहीं की गई थी।

बीते शुक्रवार को अरुण गोयल ने दिया था इस्तीफा

शुक्रवार की सुबह इस्तीफा देने वाले गोयल चुनाव ड्यूटी के लिए पूरे भारत में केंद्रीय बलों की तैनाती और आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग और गृह मंत्रालय तथा रेलवे के शीर्ष अधिकारियों के बीच हुई महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

म्यांमार के 77 नागरिकों को निर्वासित करेगा मणिपुर

इम्फाल। मणिपुर सरकार सोमवार तक 55 महिलाओं और पांच बच्चों सहित म्यांमार के 77 नागरिकों को निर्वासित करेगी। म्यांमार की सेना के अपने देश में एक फरवरी, 2021 को तख्तापलट करने के बाद वहां के कई नागरिक भागकर मणिपुर आ गए हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि सात म्यांमारियों के पहले बैच को 8 मार्च को मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के मोरे सीमा शहर से निर्वासित किया गया था। राज्य के गृह विभाग ने निर्वासन प्रक्रिया में तेंगनौपाल जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को आवश्यक सहायता के लिए असम राइफल्स से समर्थन मांगा था।

15 साल में 100 अरब डॉलर का निवेश करेंगे यूरोप के चार देश

नई दिल्ली। पिछले 16 साल की मशक्कत के बाद लोक सभा चुनाव से ठीक पहले सरकार ने यूरोपीयन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टेपा) करने में सफलता हासिल कर ली। एफ्टा में यूरोप के चार विकसित देश स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड व लाइकेटेनस्टीन शामिल हैं। रविवार को भारत के वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व इन देशों के समकक्ष मंत्रियों ने टेपा पर हस्ताक्षर किए। इन चार देशों से होने वाले भारत के कुल व्यापार में स्विट्जरलैंड की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक है। बाकी की हिस्सेदारी में अन्य तीनों देश शामिल है। पिछले 16 साल से एफ्टा के साथ व्यापार समझौते को लेकर वार्ता चल रही थी।

निवेश से 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां निकलेंगी

समझौते के तहत एफ्टा अगले 15 साल में भारत में अनिवार्य रूप से 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा जिससे 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां निकलेंगी। पहले 10 सालों में 50 अरब डॉलर तो बाद के पांच सालों में 50 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। समझौते से फार्मा, टेक्सटाइल जैसे सेक्टर के साथ सर्विस सेक्टर में भी इन चार देशों के बाजार में भारत की पहुंच आसान हो जाएगी।

भाजपा के खिलाफ आइएनडीआइए की एकजुटता के विमर्श को ममता ने किया ध्वस्त

नई दिल्ली। विपक्षी एकजुटता की मुखर पैरोकारी करती रहीं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर आइएनडीआइए गठबंधन की अगुआई कर रही कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। ममता के इस फैसले से साफ हो गया है कि भले ही वे बिहार में नीतीश कुमार की तरह आइएनडीआइए गठबंधन से अलग नहीं हुई हैं मगर बंगाल से लेकर असम तक वे कांग्रेस के खिलाफ भी अपने उम्मीदवार उतारेंगी। बंगाल के बाहर असम और मेघालय जैसे पूर्वोत्तर राज्यों की कुछ सीटों पर तृणमूल के चुनाव लड़ने की घोषणा कर दीदी ने यह साफ भी कर दिया। टीएमसी के इस कदम के बाद बंगाल में अब कांग्रेस और वामदलों के पास मिलकर चुनाव लड़ने के सिवाय अन्य विकल्प नजर नहीं आ रहा है। तृणमूल के इस फैसले से आइएनडीआइए गठबंधन को झटका लगने का संकेत ममता की उम्मीदवारों की घोषणा पर सामने आयी प्रतिक्रिया से भी मिलता है।

एकतरफा घोषणा नहीं करनी चाहिए— जयराम रमेश

टीएमसी उम्मीदवारों के एलान के तत्काल बाद कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हम मिलकर चुनाव लड़ने की मजबूत हिमायत करते रहे हैं। ऐसे में किसी भी समझौते को बातचीत के माध्यम से अंतिम रूप दिया जाना चाहिए और एकतरफा घोषणा नहीं करनी चाहिए।

हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की ओर से अब भी दीदी से समझौते की गुंजाइश होने की संभावनाएं खत्म नहीं होने का संदेश देने की कोशिश करते हुए कहा कि "हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं और उम्मीदवारों के नामांकन वापसी से पहले कभी भी गठबंधन हो सकता है।"

नौसेना के जहाज आइएनएस तीर ने 16 देशों के साथ किया युद्धाभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने रविवार को कहा कि पहले ट्रेनिंग स्क्वाइन (1टीएस) के प्रमुख जहाज आइएनएस तीर ने सेशेल्स में 16 मित्र देशों की नौसेनाओं के साथ कटलैस एक्सप्रेस–24 में भाग लिया। गत 26 फरवरी से आठ मार्च तक आयोजित अभ्यास में समुद्री अंतर्विरोध का संचालन, जबली प्रक्रियाओं और गोताखोरी संचालन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अभ्यास का उद्घाटन सेशेल्स के राष्ट्रपति ने भारत, अमेरिका और अफ्रीकन देशों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया। जहाज की मेजबानी अमेरिका की नौसेना की छठवी फ्लीट के रियर एडमिरल कैल्विन एम. फोस्टर ने की। उन्होंने समुद्री सहयोग और क्षेत्र में साझा प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर बल दिया और भारतीय नौसेना द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की।

ट्रंप ने चीन पर 60% टैरिफ की दी है धमकी

नई दिल्ली। बीते हफ्ते सुपर ट्यूजडे मुकाबले के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इस साल नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच ही होगा। अब तक के सभी सर्वेक्षणों में रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप को ही जीतता हुआ दिखाया गया है। व्हाइट हाउस में ट्रंप की वापसी विश्व व्यापार में बड़े बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रपति बनने पर वे चीन से आयात पर 60% टैरिफ लगाएंगे। चीन 15–16 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को ही करता है, इसलिए 60% टैरिफ पहले ही संकट से गुजर रही चीन की इकोनॉमी के लिए बड़ा झटका होगा। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में भी चीन से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाए थे, लेकिन तब चीन काफी हद तक उसे बेअसर करने में कामयाब रहा था। अभी की परिस्थितियों में यह संभव नहीं लगता।

विशेषज्ञों का कहना है कि नए टैरिफ के बाद चीन से विदेशी कंपनियों के बाहर जाने की गति बढ़ेगी, जिसका लाभ भारत को मिल सकता है।

सम्पादकीय

हताश युवा क्या करें?

भारत सरकार ने मान लिया है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए रूसी सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। इस प्रकरण में उठा मुख्य मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय नौजवान कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं?

भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि रूस–यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ऐसे कम–से–कम 100 भारतीय नौजवान रूसी सेना में नौकरी कर रहे हैं। उनमें से कम–से–कम तीन को रूस ने मोर्चे पर तैनात किया है। यानी वे रूस की तरफ से युद्ध लड़ रहे हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह संभवतः पहला मौका है, जब भारतीयों के सामूहिक रूप से भाड़े के सैनिक बनने की खबर आई है। सामने आईं जानकारियों के मुताबिक रूस की सेना ने दुबई के जरिए इन भारतीयों को अनुबंधित किया। रूस के गए नौजवानों के परिजनों का दावा है कि इन लोगों की नियुक्ति रूसी सेना की सहायता के लिए की गई थी, लेकिन यूक्रेन सीमा के पास ले जाकर उन्हें बताया गया कि उन्हें लड़ाई भी लडऩी है। मुद्दा उछलने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इन भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार रूस की सेना के साथ संपर्क में है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वह रूस–यूक्रेन युद्ध से अपने आपको दूर रखें। लेकिन यह सलाह बेमतलब है। जब ये नौजवान रूस चले गए, तब वहां के हालात उनके अपने हाथ में नहीं होंगे। इसलिए विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय नौजवान विदेशों में कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं? आखिर खुद भारत सरकार ने युद्ध–ग्रस्त इजराइल में मेहनत–मजदूरी करने के लिए हजारों युवाओं को भेजने का करार किया है। वहां जाने के लिए जुटी भीड़ में शामिल नौजावनों ने मीडिया से कहा था कि उन्हें इजराइल जाने का जोखिम मालूम है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'यहां भूखों मरने से बेहतर वहां काम करते हुए मरना है।' असल मुद्दा युवाओं में समा गई यही मायूसी है। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा में जो नजारा दिखा है, उससे आसानी से समझा जा सकता है कि ऐसी हताशा क्यों पैदा हो रही है। अगर यह स्थिति आज सार्वजनिक विमर्श में सर्व–मुख्य मुद्दा नहीं है, तो रूस गए नौजवानों की तमाम चिंताएं निरर्थक समझी जाएंगी।

एक देश, एक चुनाव के आइडिया का विरोध

कुल मिला कर इस मसले पर राजनीतिक दलों का वैसा ही विभाजन है, जैसा भारतीय राजनीति में दिख रहा है। भाजपा विरोधी पार्टियां इस विचार का विरोध कर रही हैं तो भाजपा और उसके साथ एनडीए में शामिल घटक दल इसका समर्थन कर रहे हैं। मुद्दों पर आधारित समर्थन देने वाली पार्टियां भी इस विचार से सहमत हैं। इस स्पष्ट विभाजन के बीच कहा जा रहा है कि रामनाथ कोविंद कमेटी अपनी रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसे जल्दी ही सरकार को सौंप दिया जाएगा। इस रिपोर्ट में कमेटी ह्यएक देश, एक चुनाव शीर्षक से एक अलग खंड संविधान में जोडऩे की सिफारिश करने वाली है। उस खंड में एक साझा मतदाता सूची के आधार पर देश के सारे चुनाव एक साथ कराने के नियम और कानून होंगे। ध्यान रहे कोविंद कमेटी में विपक्ष का कोई सदस्य नहीं है। कमेटी बनाते समय लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को इसका सदस्य बनाया गया था लेकिन उन्होंने कमेटी और इस विचार का विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था। सो, बिना किसी विपक्षी सदस्य के और तमाम विपक्षी पार्टियों के विरोध के बीच कमेटी ने अपनी सिफारिश तैयार की है, जो अगले हफ्ते सरकार को सौंपे जाने की खबर है। इस मामले में एक और दिलचस्प बात यह है कि रामनाथ कोविंद कमेटी ने एक देश, एक चुनाव के आइडिया पर देश के लोगों की राय मांगी थी। कमेटी को सिर्फ 21 हजार लोगों ने अपनी राय भेजी। सोचें, 140 करोड़ की आबादी और करीब एक सौ करोड़ मतदाता वाले देश में सिर्फ 21 हजार लोगों ने कमेटी को अपनी राय भेजी, जिसमें से 81 फीसदी ने इस विचार का समर्थन किया। इसके बरक्स विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर देश के लोगों की राय मांगी थी तो करीब 50 लाख लोगों ने अपने सुझाव कमेटी को भेजे थे।

अजीत द्विवेदी

विपक्ष की लगभग सभी पार्टियों ने एक देश, एक चुनाव के आइडिया का विरोध किया है। भाजपा और केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख दिखाने वाली मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने केंद्र की बनाई रामनाथ कोविंद कमेटी को अपनी राय भेजी है, जिसमें पार्टी ने कहा है कि वह पूरे देश में सारे चुनाव एक साथ कराने के विचार का विरोध करती है। इससे पहले सभी विरोधी पार्टियों ने ऐसी ही राय कोविंद कमेटी को दी है।

चुनाव आयोग ने इसका समर्थन किया है और साथ ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने इसका समर्थन किया है। उसकी सहयोगी जनता दल यू ने कोविंद कमेटी से कहा है कि वह लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाने के विचार से सहमत है लेकिन चाहती है कि स्थानीय निकायों के चुनाव अलग हों। मुद्दों के आधार पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को समर्थन देने वाली बीजू जनता दल ने भी इस विचार का समर्थन किया है।

कुल मिला कर इस मसले पर राजनीतिक दलों का वैसा ही विभाजन है, जैसा भारतीय राजनीति में दिख रहा है। भाजपा विरोधी पार्टियां इस विचार का विरोध कर रही हैं तो भाजपा और उसके साथ एनडीए में शामिल घटक दल इसका समर्थन कर रहे हैं। मुद्दों पर आधारित समर्थन देने वाली पार्टियां भी इस विचार से सहमत हैं। इस स्पष्ट विभाजन के बीच कहा जा रहा है कि रामनाथ कोविंद कमेटी अपनी रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसे जल्दी ही सरकार को सौंप दिया जाएगा। इस रिपोर्ट में कमेटी ह्यएक देश, एक चुनाव शीर्षक से एक अलग खंड संविधान में जोडऩे की सिफारिश करने वाली है।

उस खंड में एक साझा मतदाता सूची के आधार पर देश के सारे चुनाव एक साथ कराने के नियम और कानून होंगे। ध्यान रहे कोविंद कमेटी में विपक्ष का कोई सदस्य नहीं है। कमेटी बनाते समय लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को इसका सदस्य बनाया गया था लेकिन उन्होंने कमेटी और इस विचार का विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था। सो, बिना किसी विपक्षी सदस्य के और तमाम विपक्षी पार्टियों के विरोध के बीच कमेटी ने अपनी सिफारिश तैयार की है, जो अगले हफ्ते सरकार को सौंपे जाने की खबर है।

इस मामले में एक और दिलचस्प बात यह है कि रामनाथ कोविंद कमेटी ने एक देश, एक चुनाव के आइडिया पर देश के लोगों की राय मांगी थी। कमेटी को सिर्फ 21 हजार लोगों ने अपनी राय भेजी। सोचें, 140 करोड़ की आबादी और करीब एक सौ करोड़ मतदाता वाले देश में सिर्फ 21 हजार लोगों ने कमेटी को अपनी राय भेजी, जिसमें से 81 फीसदी ने इस विचार का समर्थन किया। इसके बरक्स विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर देश के लोगों की राय मांगी थी तो करीब 50 लाख लोगों ने अपने सुझाव कमेटी को भेजे थे।

एक तरफ 50 लाख सुझाव और दूसरी ओर 21 हजार सुझाव! सवाल है कि क्या इस आधार पर तैयार रिपोर्ट को देश के आम मतदाताओं की सामूहिक सोच का प्रतिनिधित्व माना जा सकता है? इतने बड़े मसले पर फैसला करने या कोई भी राय बनाने के लिए क्या सरकार को और ज्यादा प्रयास करने की जरुरत नहीं है?

ध्यान रहे विपक्षी पार्टियां इस देश में ज्यादा मतदाताओं की राय का प्रतिनिधित्व करती हैं। अगर बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस जैसी पार्टियों को सरकार के साथ मान लें, तब भी ह्यएक देश, एक चुनावह्व के विचार का विरोध करने वाली पार्टियां 50 फीसदी से ज्यादा वोट का प्रतिनिधित्व करती हैं। देश के बड़े राज्यों में इन पार्टियों की सरकार है।

दक्षिण के पांच राज्यों में से चार में सरकार चला रही पार्टियों ने इस विचार का विरोध किया है। दक्षिण में कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है, जबकि तमिलनाडु में डीएमके और केरल में लेफ्ट मोर्चे की सरकार है। कांग्रेस, डीएमके और लेफ्ट तीनों ने इस विचार का विरोध किया है। क्या दक्षिण के राज्यों के विरोध को पूरी तरह से दरकिनार करके सरकार पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का फैसला कर लेगी?

इसी तरह पश्चिम बंगाल में सरकार चला रही तृणमूल कांग्रेस ने इसका विरोध किया है तो झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी इस विचार का विरोध किया है। दिल्ली और पंजाब में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी ने ह्यएक देश, एक चुनावह्व के विचार पर आपत्ति जताई है। भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के शासन वाले राज्यों की मुख्य विपक्षी पार्टियों ने इस विचार के विरोध में अपनी राय कोविंद कमेटी को भेजी है। कांग्रेस हो या डीएमके और तृणमूल कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी, राजद, जेएमएम या समाजवादी पार्टी हो सबने यह कहते हुए इस विचार का विरोध किया है कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। पार्टियों ने इसे संविधान द्वारा बनाए गए संघीय ढांचे के प्रतिकूल कहा है। हालांकि सरकार का तर्क है कि आजादी के बाद तीन लोकसभा चुनावों तक ऐसा होता रहा था। लेकिन सबको पता है कि 1967 में यह चक्रटूट गया और उसके बाद से देश की राजनीतिक परिस्थितियां बहुत बदल गई हैं। अब हालात 1952 या 1957 या 1962 वाले नहीं हैं। देश में बहुदलीय प्रणाली है, जिसके तहत बड़ी संख्या में पार्टियां चुनाव लड़ती हैं और समय के साथ हर राज्य की एक अनोखी सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था विकसित हुई है।

अगर इसमे एकरुपता लाने की कोशिश होती है तो उससे विविधता और बहुलता को भी नुकसान होगा और साथ ही संघवाद की धारणा भी प्रभावित होगी। पूरे देश में एक राष्ट्रीय नैरेटिव पर चुनाव कराना भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश के लिए ठीक नहीं है। अगर पहले तीन चुनाव में ऐसा हुआ है तो उसके 60 साल बाद जरूरी नहीं है कि उस व्यवस्था को लौटा लाया जाए।

सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि लोकतंत्र और चुनाव बगैर विपक्ष की भूमिका के संभव नहीं हैं। अगर सरकार चाहती है कि देश में लोकतंत्र का तमाशा नहीं बने और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव एक औपचारिकता बन कर न रह जाए तो उसे विपक्ष को इस प्रक्रिया में शामिल करना होगा। भारत को जीवंत और जाग्रत लोकतंत्र बनाए रखने के लिए इसमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदाताओं को भी शामिल करना होगा। मतदाताओं की व्यापक भागीदारी के बिना अगर सरकार अपनी मर्जी से एक देश, एक चुनाव के विचार को लागू करती है तो यह लोकतंत्र को कमजोर करने वाला होगा।

मूलभूत सिद्धांत की पुष्टि

कोर्ट ने कहा कि कम्युनिस्ट या माओवादी साहित्य लिखना, या इंटरनेट से ऐसी सामग्रियों को डाउनलोड करना अपराध नहीं है। मुकदमा चलाने के लिए ऐसा ठोस सूबत होना अनिवार्य है कि संबंधित व्यक्ति हिंसा या आतंकवाद की गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल हुआ।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने भारतीय संविधान के तहत नागरिकों को मिले अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार की फिर पुष्टि की है। हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने इसी बुनियादी सिद्धांत के आधार पर दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को यूएपीए के तहत दर्ज मामले से बरी किया है। स्पष्टतः कोर्ट ने किसी नए सिद्धांत की स्थापना नहीं की है। ना ही उसने कानून की कोई नई व्याख्या की है।

अतीत में सवीच्च न्यायालय दो टूक लहजे में ऐसी व्याख्याएं कर चुका है। लेकिन हाल के वर्षों में देश में जैसा माहौल रहा है, उसके बीच हाई कोर्ट का ताजा निर्णय मील के पत्थर की तरह महसूस होता है। कोर्ट ने कहा कि कम्युनिस्ट या माओवादी साहित्य लिखना, अथवा इंटरनेट पर मौजूद ऐसी सामग्रियों को डाउनलोड करना अपराध नहीं है। ऐसी गतिविधियों के कारण किसी पर अभियोग लगाया जाएगा, तो यह संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन होगा।

दो जजों की बेंच ने कहा कि मुकदमा चलाने के लिए इस बात का ठोस सूबत होना अनिवार्य है कि संबंधित व्यक्ति हिंसा या आतंकवाद की गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल हुआ। कोर्ट ने ध्यान दिलाया कि इंटरनेट पर नक्सली या कम्युनिस्ट नजरिए वाली सामग्रियों को ढूंढना एक आम चलन है। लोग चाहें तो ऐसी सामग्रियां स्कैन या डाउनलोड कर सकते हैं। इनमें ऐसे वीडियो भी शामिल हैं, जिन्हें हिंसक प्रकृति का माना जाएगा।

चूंकि साईबाबा और पांच अन्य लोगों पर ऐसी ही गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ यूएपीए लगा दिया गया था, इसलिए कोर्ट ने मामले को खारिज कर दिया। इस बीच ये पांचों लोग पांच साल से अधिक समय जेल में गुजार चुके हैं।

अब यह जाहिर है कि उन्हें ऐसे आरोप में जेल में रखा गया, तो असल में भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के तहत जुर्म नहीं है। इस रूप में उनके लिए न्याय की प्रक्रिया ही दंड बन गई। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा अनगिनत अन्य व्यक्तियों के साथ भी हो रहा है। अगर न्यायपालिका आज भी जमानत को नियम और जेल को अपवाद मानने के सिद्धांत से प्रेरित रहती, तो शायद इस स्थिति से बचा जा सकता था।

डेंटिस्ट की पढ़ाई के बाद एक्टिंग को चुना करियर, शैतान से जानकी बोदीवाला का बॉलीवुड डेब्यू

अजय देवगन की फिल्म शैतान से जानकी बोदीवाला ने बॉलीवुड डेब्यू कर लिया है. जानकी बोदीवाला बॉलीवुड में डेब्यू से पहले गुजराती सिनेमा का जाना–माना नाम है. शैतान गुजराती फिल्म वश का रीमेक है. वश में जानकी बोदीवाला ने यही किरदार निभाया था, जो वह शैतान में निभा रही हैं।

अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका स्टारर मच अवेटिड शैतान शुक्रवार, 8 मार्च को सिनेमाघरों में आ गई है. 7 मार्च को फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग मुंबई में हुई, जिसमें फिल्म की स्टारकास्ट के साथ बॉलीवुड के कई सितारों ने भी हिस्सा लिया. फिल्म की स्क्रीनिंग में अजय देवगन की बेटी का किरदार निभा रही जानकी बोदीवाला भी पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस में पहुंची. इस फिल्म के साथ गुजराती एक्ट्रेस जानकी बोदीवाली ने भी बॉलीवुड में अपना पहला कदम रखा है.

शैतान की स्पेशल स्क्रीनिंग में जानकी बोदीवाला पिंक कलर की ग्लैमरस ड्रेस पहनकर पहुंची थीं. इस ड्रेस में वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं और उन्होंने पैपराजी को भी खूब पोज दिए. जानकी ने इस पिंक ड्रेस के साथ ब्लैक हाई हील्स पहनी थी. उन्होंने अपने बालों को खुला रखा हुआ था और लाइट मेकअप में बेहद खूबसूरत लग रही थीं. बता दें कि शैतान गुजराती फिल्म वश का रीमेक है. वश में जानकी बोदीवाला ने यही किरदार निभाया था, जो वह शैतान में निभा रही हैं।

30 अक्टूबर 1995 को अहमदाबाद, गुजरात में जन्मी जानकी बोदीवाला एक शानदार एक्ट्रेस हैं. उन्हें गुजराती सिनेमा में छेलो दिवसः ए न्यू बिगिनिंग (2015), दौड़ पकड़ और वश (2023) जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है.जानकी बोदीवाला ने अपनी स्कूली पढ़ाई के बाद गांधीनगर के गोयंका रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस में एडमिशन लिया. यहां उन्होंने बेचलर ऑफ डेंटल साइंस की पढ़ाई शुरू की. ग्रेजुएशन के बाद जानकी ने अपने एक्टिंग के पैशन को फॉलो किया.

तमन्ना भाटिया ने फैंस को दिया बड़ा तोहफा, ओडेला 2 से दिखाई अपनी पहली झलक

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने महाशिवरात्रि के खास मौके पर फैंस को सरप्राइज दिया है. एक्ट्रेस ने अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 का पहला पोस्टर शेयर किया है. बता दें कि ये साउथ की सुपरहिट फिल्म ओडेला का रीमेक है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी. इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था. वहीं इस पोस्टर में तमन्ना शिव की भक्ति में भी लीन नजर आ रही हैं. माथे पर चंदन, हाथ में डमरू और भगवा वस्त्र पहने एक्ट्रेस का अवतार काफी दमदार नजर आ रहा है. वहीं इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि मुझे महा शिवरात्रि के इस शुभ दिन पर अपनी फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर की झलक साझा करते हुए बेहद खुशी हो रही है. हर हर महादेव! शुभ महा शिवरात्रि

उनका ये लुक खूब वायरल हो रहा है. फैंस को एक्ट्रेस का इस गेटअप में देखकर बेहद खुश नजर आ रहे हैं. फिल्म के पोस्टर पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. हर कोई एक्ट्रेस के इस अवतार की जमकर तारीफ कर रहा है. किसी एक यूजर ने उनके पोस्ट पर हर हर माहदेव लिखा, तो किसी अन्य यूजर ने कमेंट में कहा कि वाओ बहुत सुंदर लुक है आपको ये. मेरी फेवरेट हीरोइन तमन्ना भाटिया... ऐसा पहली बार है जब तमन्ना इस तरह के किरदार में नजर आ रही हैं.

बता दें कि इसी महिने की 1 तारीख को एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग पूरी की थी. इसकी एक तस्वीर भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी.

रोहित शर्मा को बेहतर कप्तान मानने को तैयार नहीं पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी

नई दिल्ली। एक बड़ी पुरानी कहावत है, "रस्सी जल गई पर बल नहीं गया।" यही हाल इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ियों का है। भारत की धरती पर टेस्ट सीरीज में 4–1 से पटखनी खाने के बावजूद पूर्व इंग्लिश प्लेयर्स की ऐंठन कम होने का नाम नहीं ले रही है। रोहित की पलटन ने स्टोक्स एंड कंपनी को टेस्ट सीरीज में शर्मसार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन इसके बाद ग्रीन स्वान रोहित को बेहतर कप्तान मानने को तैयार नहीं हैं।

'बेहतर कप्तान नहीं रोहित'

ग्रीम स्वान ने पीटीआई के साथ बातचीत करते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता है कि वह (रोहित शर्मा) कप्तान के तौर पर बेहतर रहे, क्योंकि गेंदबाजों ने उनके लिए सारा काम किया। मेरे हिसाब से उनके पास आर्मरी में ज्यादा हथियार मौजूद थे। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया, पर मुझे गलत मत समझिए। रोहित शर्मा कैप्टन अच्छे हैं, पर अगर आपको लगता है कि बेन स्टोक्स ने खराब कैप्टेंसी की तो यह गलत है।"

पूर्व इंग्लिश स्पिनर ने आगे कहा, "रोहित शर्मा के गेंदबाजों ने काफी दमदार प्रदर्शन किया। खासतौर पर आखिरी चार टेस्ट मैचों में। पहले टेस्ट में भले ही भारतीय बॉलर्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, लेकिन अगले चार मैचों में उन्होंने कमाल का खेल दिखाया।"

बैजबॉल अप्रोच पर क्या बोले स्वान?

ग्रीम स्वान ने बैजबॉल अप्रोच को गलत ठहराने से साफतौर पर इनकार किया। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता है कि इस दौर पर हमको बैजबॉल अप्रोच देखने को मिली। हमने यह अप्रोच सिर्फ एक ही पारी में देखी, जब ओली पोप ने 190 रन बनाए और वही बैजबॉल की परिभाषा थी। मुझे नहीं लगता है कि इंग्लैंड उस अप्रोच के साथ खेली, जिसको आपको मीडिया वाले बैजबॉल कहते हैं।"

खत्म नहीं हो सका 12 साल का सूखा

इंग्लैंड की टीम भारत की धरती पर 12 साल का सूखा एकबार फिर खत्म करने में नाकाम रही। बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लिश टीम ने सीरीज का आगाज जीत के साथ किया था। हालांकि, इसके बाद टीम के प्रदर्शन का ग्राफ बुरी तरह से नीचे गिरा, जिसके चलते टीम को अगले चार टेस्ट मैचों में लगातार हार झेलनी पड़ी।

क्यों खास है टेस्ट सीरीज में मिली जीत

नई दिल्ली। 0–1 से पिछड़ने के बाद सीरीज को 4–1 से अपने नाम करने वाली रोहित की पलटन को शाबाशी मिलनी चाहिए। बैजबॉल अप्रोच से दुनिया की बड़ी–बड़ी टीमों को धूल चटाने वाली इंग्लैंड टीम के अरमानों पर पानी फेरने के लिए युवा खिलाड़ियों की पीठ थपथपाई भी जानी चाहिए।

यही काम ड्रेसिंग रूम में भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने किया है। द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के बाद पूरी टीम की जमकर प्रशंसा की है। इसके साथ ही हेड कोच ने यंग प्लेयर्स को भविष्य में सफल होने का गुरुमंत्र भी दिया।

ड्रेसिंग रूम में द्रविड़ ने दी स्पीच

राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में सभी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "सबसे पहले आप सभी खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और टीम को जीत की ढेरों बधाई। सीरीज में कई ऐसे मौके आए, जब हमको चैलेंज किया गया,

रहाणे–अय्यर रहे फ्लॉप, 'लॉर्ड' शार्दुल बने मुंबई के लिए संकटमोचक

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2024 के फाइनल मुकाबले का पहला दिन उतार–चढ़ाव से भरा रहा। कप्तान अजिंक्य रहाणे और श्रेयस अय्यर बल्ले से बुरी तरह से फ्लॉप रहे। वहीं, लॉर्ड शार्दुल ठाकुर एकबार फिर मुंबई के लिए संकटमोचक बनकर सामने आए। शार्दुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 75 रन की तेज तर्रार पारी खेली, जिसके बूते मुंबई 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रही।

मुंबई की शुरुआत रही दमदार

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की शुरुआत अच्छी रही। पृथ्वी शॉ और भूपेन लालवानी ने पहले विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी जमाई। शॉट 46 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे, जबकि भूपेन 37 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद मुंबई को एक के बाद एक झटके लगे।

81 के स्कोर पर पहला विकेट गंवाने के बाद मुंबई ने 116 के स्कोर तक पहुंचते–पहुंचते छह विकेट खो दिए। मुशीर खान 6 रन बनाकर आउट हुए, तो कप्तान रहाणे के खाते में महज 7 रन आए। वहीं, बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर किए गए अय्यर भी 15 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 7 रन ही बना सके।

शार्दुल बने मसीहा

लगातार विकेट गंवा रही मुंबई की पारी को शार्दुल ठाकुर ने एक छोर से संभाला। शार्दुल ने तेज तर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 37 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। स्टार ऑलराउंडर ने 69 गेंदों पर 75 रन की दमदार पारी खेली, जिसके बूते मुंबई टीम पहली पारी में स्कोर बोर्ड पर 224 रन लगाने में सफल रही। गेंदबाजी में विदर्भ की ओर से हर्ष दुबे और यश ठाकुर ने तीन–तीन विकेट झटके। वहीं, उमेश यादव ने 2 विकेट चटकाए।

खराब रही विदर्भ की शुरुआत

मुंबई की पारी को समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी विदर्भ की शुरुआत भी बेहद खराब रही। ध्रुव शोरे को शार्दुल ठाकुर ने बिना खाता खोले पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद अमन मोखड़े भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 रन बनाकर चलते बने।

फिल्म मैदान का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज, फुटबॉल कोच की भूमिका में जमे अजय देवगन

अजय देवगन की फिल्म मैदान को लेकर काफी चर्चा बनी हुई है. अब आखिरकार मेकर्स ने लंबे इंतजार के बाद फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे देखने के बाद फिल्म के लिए काफी उत्सुकता बढ़ गई है. डायरेक्टर अमित शर्मा मैदान के साथ इस बार स्पोर्ट्स ड्रामा पर दांव खेलने जा रहे हैं. वहीं, 2 मिनट 43 सेकंड के इस ट्रेलर में अजय देवगन फिर से अपने दमदार अंदाज से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए बिल्कुल तैयार है.

बीते बुधवार को मेकर्स ने मैदान का टीजर जारी करते हुए इसके ट्रेलर का ऐलान किया था. इसके बाद से ही सुबह से फैंस इसका इंतजार कर रहे थे. ट्रेलर में 1952 से लेकर 1962 तक का दौर दिखाया गया है.

इस समय को भारतीय फुटबॉल का गोल्डन एरा माना जाता है. सच्ची घटना पर आधारित मैदान में फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम के कड़े संघर्ष को दिखाया गया है. उनके बाद ही भारतीय टीम ने एशियाई गेम्स में कई गोल्ड मेडल अपने नाम किए.

फिल्म में अजय देवगन को पूर्व भारतीय फुटबॉलर और कोच सैयद अब्दुल रहीम का किरदार निभाते हुए देखा जा रहा है. अब मैदान के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बढ़ा दी है. फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन बताया जा रहा है कि फिल्म ईद के खास मौके पर अप्रैल, 2024 में ही रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है.गौरतलब है कि फिल्म में अजय के साथ साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस प्रियामणि को लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा जा रहा है.

मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, कोतवाली लेकर आई पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रविवार को मुख्यमंत्री के कोटद्वार आगमन से एक घंटा पूर्व कांग्रेसियों ने मालवीय उद्यान व झंडाचौक में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को वाहन में बैठाकर कोतवाली ले आई। जब मुख्यमंत्री का कार्यक्रम संपन्न हुआ उसके बाद ही कांग्रेसियों को रिहा किया गया।

कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने मालीय उद्यान व झंडाचौक में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर केवल जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है। अंकिता भंडारी के परिजन आज भी न्याय के लिए सड़कों पर भटक रहे हैं। बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो चुकी है। पर्वतीय क्षेत्रों में भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। कहा कि कांग्रेस जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने अपने वाहन में बैठाया और उन्हें कोतवाली लेकर आ गई। प्रदर्शन करने वालों में रंजना रावत, नीलम रावत, सुधा असवाल, बिमलेश नेगी, राजा आर्य, अमितराज सिंह, बलवीर सिंह रावत आदि शामिल रहे। उधर, कार्यकारी नगर अध्यक्ष प्रवीन रावत व युकां जिलाध्यक्ष विजय रावत के नेतृत्व कार्यकर्त्ताओं ने झंडा चौक में प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

कोटद्वार में प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते कांग्रेसी

समाज सेवा के लिए रोटरी क्लब ने महिलाओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रोटरी क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने पर क्षेत्र की तीन व क्लब की दो महिलाओं को सम्मानित किया गया।नजीबाबाद रोड स्थित रोटरी सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम का आरंभ अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल ने किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का भी बहुत बड़ा हाथ है। महिलाएं पुरूषों के साथ हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज घमण्डपुर की प्रवक्ता पूनम कनौजिया, सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सामाजिक कार्यकर्ता रजनी नेगी व दिया दिव्यांग सोसायटी की संस्थापिका कविता मलासी को सम्मानित किया गया। साथ ही क्लब की सचिव प्रतिभा गुप्ता व बीना रावत को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अमित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल ,अनीत चावला, शरत चन्द गुप्ता, अनिल भोला, गोपाल बंसल आदि मौजूद रहे।

राउप्रवि कोटद्वार के विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का भ्रमण

विधानसभा का भ्रमण करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय (बालक) नगर क्षेत्र कोटद्वार के छात्रों ने देहरादून पहुंच कर वन अनुसंधान संस्थान एवं विधानसभा का भ्रमण किया और आवश्यक जानकारी एकत्रित की।

राउप्रावि कोटद्वार के छात्र शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत राज्य की राजधानी देहरादून पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दून स्थित ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक स्थलों का भ्रमण किया। एफआरआई में छात्रों ने म्यूजियम और अन्य विविध स्थलों की जानकारी हासिल की। छात्रों ने विधानसभा का भ्रमण किया। इस दौरान समीक्षा अधिकारी मुकेश हटवाल ने छात्रों को विधायी सदन के संचालन की जानकारी देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया।इस दौरान प्रभारी सचिव विधानसभा हेम पंत, समीक्षा अधिकारी राजीव बहुगुणा, पीआरओ राजेश थपलियाल, मनोज मैखुरी के साथ ही विद्यालय के प्रधानाध्यापक नफीस अहमद व शिक्षक हुकुम सिंह नेगी, नमिता बुडाकोटी, डॉ. सुधा रावत व ललिता रावत उपस्थित थे।

कांडोलिया थीम पार्क का एक बार फिर हुआ संचालन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः करोड़ों की लागत से बने कंडोलिया थीम पार्क का एकबार फिर से संचालन शुरू हो गया है। पिछले लंबे समय से पार्क का संचालन बंद होने से यहां पहुंचने वाले लोगों के साथ ही पर्यटकों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा था। अब पार्क का संचालन शुरू होने से बच्चों के साथ ही शहरवासियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

पौड़ी शहर के ठीक ऊपर बना कंडोलिया पार्क करीब–करीब यूरोपियन पैर्टन लिए हुए है, और अब तक अपनी शैली का यह अकेला ही पार्क है। हर आयु वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर इस पार्क को मूर्त रूप देने का काम किया गया है। ओपन एमपी थ्रियेटर, स्कैटिंग रिंग, रेस्टोरेंट, बच्चों के झूले और ओपन जिम सहित हट इस पार्क में पर्यटकों को आकर्षित करते है। रोमांच का कोई भी ऐसा संसाधन नहीं छूटा है ,जिसे इस पार्क जगह न दी गई हो। पर्यटकों को एक साथ सब कुछ एक ही जगह पर आसानी से मिलता है। कंडोलिया पार्क के रेंस्टोरेंट को उत्तरकाशी जिले के कोटी बनाल की तर्ज पर आकार दिया गया है, तो ओपन थ्रियेटर का कांसेप्ट लिए यह पहला पार्क है। पार्क के अंदर ही दो सौ से अधिक दर्शक थ्रियेटर का लुत्फ उठा सकते है। कंडोलिया मंदिर के ठीक सामने बन रहे इस पार्क में तालाब, वाटर फांउडेशन, बच्चों के झूले से लेकर युवाओं के लिए ओपन जिम के साथ ही कई अन्य खेल गतिविधि भी है। पार्क के संचालनकर्ता संजय पंवार ने बताया कि कंडोलिया पार्क का संचालन एक बार फिर शुरू कर दिया है। दावा किया कि पर्यटकों व यहां आने वाले लोगों को सहूलियत मिलेगी।

होमस्टे से जुड़कर आर्थिकी मजबूत करें युवा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति व बदलपुर विकास समिति के संरक्षक विजय धस्माना ने युवाओं से स्वरोजगार से जुड़ने का आह्वान किया है। कहा कि होमस्टे जैसी कई योजनाओं से जुड़कर युवा पलायन रोकने में अपना योगदान दे सकते हैं। प्रखंड जयहरीखाल के अंतर्गत ग्राम तोली (दुधारखाल) में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ में भी रोजगार के कई अवसर है। हमें इन अवसरों को पहचानकर इनका लाभ उठाना चाहिए। कहा कि होम स्टे योजना से बेरोजगार युवा अपना रोजगार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से पर्वतीय क्षेत्रों में जगह–जगह होम स्टे खुलने चाहिए, जिससे बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। कहा कि पर्यटन विभाग की ओर से होम स्टे पर पचास प्रतिशत का अंशदान दिया जा रहा है। इस मौके पर यतेंद्र धस्माना, नरेश धस्माना, मनोहर लाल खंतवाल, राजेंद्र सिंह रावत, वासुदेव भट्ट, सुरेंद्र सिंह बिष्ट विनोद चौहान, बृजेश गौड़ मौजूद रहे।

नैथाना गांव में वीर पुरिया नैथानी की मूर्ति का हुआ अनावरण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कल्जीखाल ब्लाक के नैथाना गांव में वीर पुरिया नैथानी की मूर्ति का अनावरण किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने वीर पुरिया नैथानी से प्रेरणा लेने पर जोर दिया।

रविवार को वीर पुरिया नैथानी की मूर्ति का विधायक राजकुमार पोरी ने अनावरण किया। विधायक राजकुमार पोरी ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। इस दौरान वक्ताओं ने वीर पुरिया नैथानी के जीवन परिचय की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य सविता रणा, साकनी बडी राकेश नैथानी, ग्राम प्रधान नैथाना महाकांत नैथानी, पुरिया नैथानी ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्मल नैथानी, सुशील नैथानी, सुभाष रावत, ओमप्रकाश नैथानी, अशोक रावत, अर्जुन सिंह आदि शामिल रहे।

सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए उक्रांद ने किया सुंदरकांड

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः उत्तराखंड क्रंति दल की ओर से रविवार को कण्वाश्रम स्थित शिवालय में प्रदेश सरकार की बुद्धि–शुद्धि के लिए देव पूजन और सुंदरकांड का पाठ किया गया। इस दौरान उक्रांद ने जनता के हितों को लेकर संघर्ष करने का भी संकल्प लिया। कहा कि भाजपा व कांग्रेस ने विकास के नाम पर केवल जनता को गुमराह करने का कार्य किया है। पार्टी नेता डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि पूजन और पाठ के माध्यम से उत्तराखंड के विकास में लापरवाही बरतने वाली प्रदेश सरकार को भगवान से सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की गई। वक्ताओं ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे केवल उन्हीं घोषणाओं को करें जिनकी वित्तीय स्वीकृति भी साथ–साथ मिल गई हो और वित्त संबंधित विभाग के खाते में भेज दिया गया हो। कहा कि प्रदेश सरकार कई मोर्चों पर विफल रही है। इसलिए सरकार को जगाने के लिए दल ने पाठ–पूजा का कार्यक्रम रखा है। मौके पर जगदीपक सिंह रावत ,सत्य प्रकाश भारद्वाज, पितृ शरण जोशी,हरीश द्विवेदी, पुष्कर सिंह रावत, सर्वेंद्र काला,भारत मोहन काला, सतपाल नेगी, राजेंद्र प्रसाद पंत, सत्यपाल सिंह नेगी, इंदु नौटियाल और आशीष कुकरेती सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए सुंदर कांड करते कांग्रेसी

बेटी ने बढ़ाया मानः श्रकोट गांव की रहने वाली नैनसी थपलियाल बनी लेफ्टिनेंट

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः खांतस्यू पटटी के श्रीकोट गांव की नैनसी थपलियाल ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीएस परीक्षा 2022 में आल इंडिया में 6वीं रैंक हासिल किया है। एक साल का सफल प्रशिक्षण करने के बाद नैनसी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त हो गई है।

चेन्नई में आयोजित पासिंग आउट परेड में नैनसी के परिजनों ने भी शिरकत की। नैनसी की इस उपलब्धि से नैनसी के परिवार के साथ ही गांव में खुशी का माहौल बना हुआ है।

नैनसी के पिता अशोक कुमार थपलियाल ने बताया कि नैनसी की शिक्षा पौड़ी में हुई। बीआरएमएस स्कूल से 12वीं की पढ़ाई करने के बाद नैनसी ने दून विश्वविद्यालय देहरादून से बीएससी करने के बाद यह मुकाम हासिल किया है। नैनसी बचपन से ही सेना में जाना चाहती थी।

स्वजनों के साथ नैनसी थपलियाल

9.99 करोड़ की लागत से होगा बस अड्डे का पुनरोद्धार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंण्डूडी भूषण ने रविवार को राजकीय परिवहन निगम कोटद्वार के बस अड्डे के पुनरोद्धार कार्यक्रम का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए लगातार कार्य कर रही हैं।

कहा कि 9.99 करोड़ की मदद से कोटद्वार के राजकीय परिवहन निगम के बस अड्डे का पुनरोद्धार किया जाएगा। इस अवसर पर एआरएम राकेश सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज भाटिया, मीनाक्षी चौधरी, नीना बैंजवाल और सुनील गोयल आदि मौजूद रहे।

मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर आंगनबाडी कार्यकत्रियों ने दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर रविवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने तहसील परिसर में धरना दिया। कहा कि पूर्व में अश्वासन के बाद भी सरकार उनकी अनदेखी कर रही है। कार्यत्रियों ने उनका मानदेय अठारह हजार रुपये करने की मांग की है।

रविवार को दुगड्डा ब्लाक की अध्यक्ष ऊषा गोस्वामी व जयहरीखाल प्रखंड की कोषाध्यक्ष कविता कोटनाला के संयुक्त नेतृत्व में दोनों प्रखंडों की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने तहसील परिसर में धरना दिया। संगठन की प्रांतीय सदस्य बंसती रावत ने प्रदेश सरकार पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की उपेक्षा का आरोप लगाया।

कहा कि वर्तमान में प्रदेश सरकार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नाममात्र का मानदेय दे रही है, अल्प मानदेय से परिवार का भरण पोषण, बच्चों की पढ़ाई लिखाई भी पूरी नहीं हो रही है।

कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री विषम भौगौलिक परिस्थियों में भी प्रदेश व राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल उतारने का कार्य कर रही है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां 18 हजार का मानदेय दिए जाने की मांग विगत पिछले लंबे समय से कर रही हैं, जिसको लेकर कार्य बहिष्कार व आंदोलन किया जा रहा है। लेकिन, प्रदेश सरकार उनकी जायज मांगों को अनदेखा कर रही है, जिससे आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों में प्रदेश सरकार के इस प्रकार के रवैया से नाराज है। इस मौके पर प्रभा जोशी, अंबिका रावत, पुष्पा देवी, रोशनी देवी, रजनी, सरोज, पूजा, सुशीला, शोभा रानी, संगीता, मीना, रागिनी, सुमित्रा, अनीता, दीपा, कुसुम सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रही।

शोध छात्र आशीष बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन के अवार्ड से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा पटवा डांगर, नैनीताल में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान श्रीनगर के शोध छात्र आशीष कुमार गुंसाई को बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन के अवार्ड से सम्मानित किया गया। ट्रैंडिंग बायोटेक्नोलॉजी इंटरवेंशन टू एड्रेस एंड कॉम्बैट हिमालयन डाइवर्सिटी चैलेंज्स विषय पर आधारित राष्ट्रीय कार्यशाला में शोध छात्र आशीष कुमार गुंसाई को जैव प्रौद्योगिकी परिषद के निदेशक प्रो. संजय कुमार और जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील नौटियाल ने संयुक्त रूप से पुरस्कार देकर सम्मानित किया। आशीष ने इस पुरस्कार के लिए अपने पीएचडी सुपरवाइजर वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार जुगरान, प्रो. सुरेंद्र सिंह बरगली और अपने सहयोगी शोधार्थी को इसका श्रेय दिया। वर्तमान में आशीष कुमार गुंसाई हिमालय क्षेत्र में पाई जाने वाली संकटग्रस्त औषधि पादपों पर शोध कर रहे हैं।

ग्रामीण एवं प्रौद्योगिकी विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी 14 से

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के ग्रामीण एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों में सतत कृषि प्रणाली की प्रोत्साहन संभावनाएं एवं चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 14 मार्च से शुरू होगी। गढ़वाल विवि के ग्रामीण एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आरएस नेगी ने बताया कि 14 मार्च से 16 मार्च तक चौरास स्थित स्वामी मनमंथन प्रेक्षागृह में होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान करेंगे,जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल करेंगी। प्रो. नेगी ने बताया कि तीन दिवसीय संगोष्ठी मे प्रदेश व देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विषय वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शोधार्थियों के साथ–साथ भारत सरकार के कृषि विभाग के विषय विशेषज्ञ, उद्यमी और किसान सम्मिलित होंगे। संगोष्ठी में परिसंवाद विचार–विमर्श, पैनल चर्चा, व्याख्यान, मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियां, किसानों की चर्चा, प्रदर्शनियां आदि आयोजित की जायेंगी।

जल जीवन को अमूल्य निधि की तरह बचायें–प्रो उभान

नई टिहरी। धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के दौरान छात्र–छात्राओं ने जल संरक्षण क आम जन को किया जागरूक क इस मौके पर मौजूद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार उभान ने कहा कि जल जीवन की अमूल्य निधि है। इसका संरक्षण जीवन के लिए जरूरी है। जल बिना पृथ्वी पर जीवन की परिकल्पना संभव नहीं है क रविवार को एनएसएस के स्वयंसेवी छात्र–छात्राओं द्वारा सेवित ग्राम के प्राकृतिक जल स्रोतों की साफ–सफाई और आम जनमानस को इस कार्य के प्रति जागरूक करने काम किया। ग्रामीणों को बताया कि पिछले 30 से 40 वर्षों में लगभग एक लाख से अधिक हमारे प्राकृतिक जल स्रोत सूखने की कगार पर पंहुच गए है क इसलिए स्थानीय स्तर पर जलस्रोतों का संरक्षण बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस कर्मचारी अजय पुंडीर, भूपेंद्र स्वयंसेवियों में प्रिया, देव, महेश, अपर्णा, रिंकी, विशाल, आशीष, राजन, दीपक अंशिका आयुषी आदि मौजूद रहे।

लोक अदालत में 417 वादों का सुलह समझौते से निस्तारण

नई टिहरी। विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला न्यायालय सहित वाह्य न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन गया। प्राधिकरण के सचिव व सीनियर सिविल जज आलोक राम त्रिपाठी ने बताया कि जिलेभर में कुल 9 बेंचों में 417 वादों का निस्तारण 2 करोड़, 56 लाख 94 हजार 355 रुपये की धनराशि के सुलह समझौते पर किए गए।

जिला न्यायाधीश योगेश कुमार गुप्ता की बेंच ने 8 वादों का निस्तारण 27 लाख 14 हजार की धनराशि के सुलह समझौते पर किए। वहीं कुटुंब न्यायाधीश अब्दुल कय्यूम की बेंच ने 4 वादों का निस्तारण 1 लाख 4 हजार, अपर जिला न्यायाधीश अंजली बेंजवाल की बेंच ने 7 वादों का निस्तारण 21 लाख 14940 की धनराशि के सुलह समझौते के आधार किए।

सीजेएम विनोद कुमार बर्मन की बेंच ने 128 वादों का निस्तारण 45 लाख 79 हजार की धनराशि, सीनियर सिविल जज अविनाश कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने 36 वादों का निस्तारण 55 लाख 92, अपर सीनियर सिविल जज आफिया मतीन की बेंच ने 40 वादों का निस्तारण 41 लाख 20 हजार की धानराशि, सिविल जज निशा देवी की बेंच ने 37 वादों का निस्तारण 37 लाख 25 हजार 597 की धनराशि के सुलह समझौते पर किए। त्रिपाठी ने बताया कि वाह्य न्यायालय सिविल जज नरेंद्रनगर शम्भूनाथ सेठवाल की बेंच ने 141 वादों का 13 लाख 81 हजार 288, सिविल जज कीर्तिनगर शैलेंद्र कुमार यादव की बेंच ने 16 वादों का निस्तारण 13 लाख 62 हजार 500 रुपये की धनराशि के सुलह समझौते पर किए। वहीं 3 वादों का निस्तारण एसडीएम कीर्तिनगर के न्यायालय, जबकि प्री–लिटिगेशन स्तर पर 56 वादों का निस्तारण 12 लाख 41 हजार 772 रुपये की धनराशि के सुलह समझौते पर किए।

सावन मास में अयोध्या यात्रा पर जाएंगे बाबा बौखनाग

उत्तरकाशी। महाशिवरात्रि के अवसर पर नौगांव के भाटिया स्थित बाबा बौखनाग मंदिर में भक्तों के द्वारा शिवरात्रि को बड़े उत्साह एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया, जहां ग्रामीणों के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। बाबा बौखनाग देवता ने अवतरित होकर भक्तों को खुशी का आशीर्वाद दिया। देवता ने आने वाले सावन मास के पहले सोमवार को अयोध्या मंदिर की यात्रा पर जाने की घोषणा की भी। बड़कोट सती और मुंगरसंती पट्टी के भक्तों की मौजूदगी में बाबा ने यह निर्णय लिया। यह बाबा की पहली अयोध्या यात्रा होगी। इस यात्रा में बाबा की डोली के साथ–साथ भक्त भी शामिल होंगे। शिवरात्रि के अवसर पर भाटिया बाबा के मंदिर में भक्तों की मौजूदगी में रात भर भजन संध्या कार्यक्रम एवं पांडव नृत्य कार्यक्रम व जागर आदि का आयोजन किया गया।

भोजनमाताओं ने सरकार के खिलाफ निकाली आक्रोश रैली

विकासनगर। भोजन माता संगठन ने मानदेय बढ़ाने समेत उन्हें सेवा से बर्खास्त नहीं करने की मांग को लेकर रविवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय विद्यालय हरबर्टपुर से आक्रोश रैली निकाली। तहसील मुख्यालय में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

भोजनमाता संगठन की प्रदेश अध्यक्ष उषा देवी ने कहा कि वर्ष 2021 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री ने भोजनमाता को पांच हजार रुपये मानदेय की घोषणा की थी, लेकिन उस पर अभी तक अमल नहीं किया गया। जिससे भोजनमाता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। कहा कि पांच हजार मानदेय के लिए जल्द शासनादेश जारी करने के बजाय अब एक नया फरमान जारी कर उन्हें बेरोजगार करने की कोशिश की जा रही है। बताया कि राज्य परियोजना निदेशक ने एक आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि जिन भोजनमाताओं के बच्चे संबंधित विद्यालय में अध्ययनरत नहीं हैं, उन्हें सेवा में नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि करीब बीस साल से कार्यरत भोजनमाताओं के बच्चों का संबंधित विद्यालय में अध्ययनरत होना संभव नहीं है। ऐसे सभी भोजनमाताओं के रोजगार पर संकट मंडरा रहा है। लिहाजा इस आदेश को वापस लेकर भोजनमाताओं का मानदेय बढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्हें बीमा लाभ भी दिया जाना चाहिए। अधिकांश विद्यालयों में एक ही भोजनमाता कार्यरत होने के चलते वे पूरे वर्षभर बिना अवकाश लिए काम करती हैं, बावजूद सरकार उनकी समस्याओं के निदान के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

भाजपा ने खोला चुनाव कार्यालय

चमोली। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश मैखुरी ने जिला कार्यालय में बदरीनाथ विधानसभा के चुनाव कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लोकसभा प्रत्याशी की जीत का संकल्प लिया। बदरीनाथ संयोजक गजेन्द्र सिंह रावत ने बताया चुनाव कार्यालय के शुभारंभ के दौरान विधानसभा की कोर कमेटी की बैठक में चुनाव को लेकर चर्चा की। जिसमें बूथ प्रबंधन को मजबूत कर पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करवाने को लेकर रणनीति तैयार की गई। चुनाव में बेहतर प्रबंधन के लिये जल्द विधानसभा प्रबंधन कमेटी का गठन करने के साथ ही कार्यकर्ताओं से संवाद और बूथवार संपर्क अभियान भी संचालित किया जाएगा। मौके पर विधानसभा प्रभारी विनोद नेगी, भाजपा महामंत्री कुलदीप वर्मा, विधानसभा सह संयोजक भगवती प्रसाद नम्बूदरी, पूर्व जिलाध्यक्ष रघुवीर बिष्ट, ललित मिश्रा, वीरेंद्र राणा, बल्लभ प्रसाद थपलियाल, वीरेंद्र फरस्वाण, महेंद्र राणा, संदीप रावत, नंदन बिष्ट, आनंद सिंह राणा, हरक सिंह नेगी, कृष्णमणी थपलियाल, पुष्पा पासवान, लक्ष्मी बिष्ट, हरिबोधनी खत्री, उमेश भट्ट और विजय कपरुवाण आदि मौजूद थे।

सशक्त भू कानून को दी महादेव के दर पर अर्जी

ऋषिकेश। उत्तराखंड में सशक्त भू–कानून लागू करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर यूकेडी मुखर है। कार्यकताओं ने रविवार को सरकार की बुद्धि–शुद्धि के लिए सोमेश्वर महादेव मंदिर में यज्ञ किया। इस दौरान उन्होंने मांगों को लेकर भोलेनाथ के दरबार में अर्जी भी दी। रविवार को उत्तराखंड क्रांति के जिलाध्यक्ष केंद्रपाल सिंह तोपवाल की अगुवाई में कार्यकर्ता सोमेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। उन्होंने मूल निवास और भू–कानून की मांग को लेकर सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह उत्तराखंड के हर मूल निवासी की मांग है। संगठन प्रदेशवासियों को हक दिलाने के लिए लंबे समय से आंदोलन कर रहा है, लेकिन राज्य की भाजपा सरकार मांगों की अनदेखी कर रही है, जिससे परेशान होकर अब उन्हें महादेव को अर्जी देनी पड़ी है। कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार में बेटियों को न्याय तक नहीं मिल पा रहा है।

सीएम धामी ने किया मुख्य सेवक सदन में किया 8275.51 करोड़ की 17 विभागों की 122 योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण

– ऊर्जा विभाग की प्रदेश में प्रिपेड मीटर योजना का किया शिलान्यास
– भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों को किया टूल किट का वितरण – सचिव ऊर्जा एवं एमडी. पिटकुल ने मुख्यमंत्री को सौंपा 5 करोड़ का लाभांश का चेक – पिछले दो माह में प्रदेश में किया गया लगभग 18 हजार करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यासः मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में 17 विभागों की 8275.51 करोड़ की 122 विभिन्न योजनाओं का डिजिटल माध्यम से लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें 11 विभागों की 1048.15 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण एवं 15 विभागों की 7227.36 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की 2027 करोड़ की प्रिपेड मीटर योजना का भी शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों को टूल किट का भी वितरण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को सचिव ऊर्जा एवं एमडी पिटकुल पी.सी. ध्यानी द्वारा 05 करोड़ का लाभांश का चेक भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न उद्यमियों को सौर ऊर्जा परियोजनाओं के आवंटन पत्र के साथ ही मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के व्यक्तिगत लाभार्थियों के आवंटन पत्र भी प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ बनाना है। जिसका असर भी देखने को मिल रहा है। आज का यह कार्यक्रम हमारी विकास नीति का एक उत्तम उदाहरण है, जिसमें 8000 करोड़ रूपए से भी अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े ये सभी विकास कार्य उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करने के लिए ह्वविकल्प रहित संकल्पह्व के मूल मंत्र के साथ काम कर रही है। अभी कल ही मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण के लगभग 226 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। पिछले दो महीनों में टनकपुर में 2215 करोड़ , हरिद्वार में 5868 करोड़, चंपावत में 161 करोड़, अल्मोड़ा में 117 करोड़, पौड़ी गढ़वाल में 828 करोड़ और रुद्रप्रयाग में 456 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया। इस प्रकार पिछले दो महीने में ही 18,000 करोड़ रूपए से अधिक की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। कार्य यह दर्शाते हैं कि हम उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए कितनी तेजी के साथ विकास नीति पर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई, आवास और ग्राम्य विकास से जुड़े करोड़ों के विकास कार्यों से प्रदेश का वर्तमान बेहतर होगा। जबकि बड़े–बड़े शिक्षण संस्थान, पॉलिटेक्निक कॉलेज, स्पोर्ट्स स्डेडियम, ऊर्जा, डेयरी और पर्यटन से जुड़े करोड़ों के विकास कार्य आने वाले भविष्य में उत्तराखंड को सक्षम, मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में मददगार होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि के मंत्र से नई कार्य संस्कृति का वातावरण बना है। जिससे लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार हुआ है। हमारा काम बोले इसका भी हमारा प्रयास रहता है। मातृशक्ति एवं नौजवानों को रोजगार, स्वरोजगार के लिये नियोजन से जोडा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है, प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बताया है। उत्तराखण्ड में रेल, हवाई एवं सड़क यातायात को प्रभावी बनाया गया है। टनकपुर से भी अब देहरादून के लिये ट्रेन संचालित हो गयी है। अयोध्या सहित अन्य स्थानों के लिये भी ट्रेन की सुविधा

राजकीय मॉडल डिग्री कॉलेज मीठीबेरी का सीएम ने किया ऑनलाइन लोकार्पण

हरिद्वार। रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी के भवन का ऑनलाइन लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने 2019 में लालढांग में बनने वाले इस आदर्श मॉडल डिग्री कॉलेज ऑनलाइन शिलान्यास किया था। करीब 12 करोड़ की लागत से बने इस कॉलेज भवन का लोकार्पण किया गया। माहाविद्यालय के भवन और कैंपस का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने बागेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में लालढांग के महाविद्यालय का लोकार्पण किया।

सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण को अपनी बोली–भाषा का संरक्षण जरूरी

विकासनगर। पछुवादून गढ़वाल सभा की वार्षिक बैठक में सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण के लिए अपनी बोली भाषा को संरक्षित करने पर जोर दिया गया है।

रविवार को दिनकर विहार स्थित गढ़वाल सभा भवन में वक्ताओं ने अपनी मूल बोली को नई पीढ़ी के आम बोलचाल की भाषा के तौर पर बढ़ावा देने की जरूरत बताई। सभा के अध्यक्ष राजू बिंजोला ने कहा कि अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए गढ़वाली बोली का संरक्षण किया जाना जरूरी है।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि दुनिया में हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि वर्तमान में 196 भारतीय भाषाएं संकटग्रस्त हैं, जिनमें गढ़वाली भी शामिल है। कहा कि सभी गढ़वालियों को एक जुट होकर अपनी बोली को संरक्षित करने के लिए आगे बढ़ना होगा। गढ़वाल सभा अध्यक्ष बिंजोला ने कहा कि भाषा किसी भी संस्कृति की जीवन रेखा होती है। जहां भाषा संस्कृति को मजबूत करती है, वहीं संस्कृति समाज को मजबूत करती है।

सभा के सचिव सुमन मोहन ममगाईं ने सभा की वार्षिक आख्या पेश की। कोषाध्यक्ष त्रिलोक सिंह रावत द्वारा लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। बैठक में स्मारिका प्रकाशित किए जाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान कै. सीएस सजवाण, पूरण चंद्र केष्टवाल, शंभू प्रसाद नैथानी, माधवानंद रतूड़ी, कै. महेंद्र सिंह नेगी, डॉ. कामेश्वर प्रसाद डिमरी, पवन शर्मा, जयंती पटवाल, शकुंतला रतूड़ी, मोहिनी नौटियाल, धीरेंद्र पटवाल, मनोज पैन्यूली, प्रकाश भट्ट, मनोज रावत आदि मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को साबरमती आश्रम से शुरू होगी दांडी यात्रा

–12 मार्च से शुरू होने वाली यात्रा गुजरात से शुरू होकर देश के कोने कोने तक जाएगी

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के बैनर तले गुजरात साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा शुरू होगी। 12 मार्च से शुरू होने वाली यात्रा गुजरात से शुरू होकर देश के कोने कोने तक जाएगी। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीपी सिंह रावत ने कहा कि देश के 85 लाख एनपीएस कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली को सड़कों पर हैं। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि केंद्र सरकार जल्द पुरानी पेंशन बहाली पर फैसला लेगी। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। सरकार के इस रुख से कर्मचारी आक्रोशित हैं। पूरे देश में कर्मचारी, शिक्षक, डाक्टर, नर्स, स्वास्थ्य, सफाई, पुलिस, रेलवे कर्मचारी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। 2024 के लोक सभा चुनाव में कुछ ही दिन बाकी हैं। सरकार इस बेरुखी के खिलाफ गुजरात की सड़को पर पुरानी पेंशन बहाली को कर्मचारी आवाज बुलंद करेंगे। कहा कि दांडी यात्रा के माध्यम से पुरानी पेंशन बहाली मांग को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। लोक सभा चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा पुरानी पेंशन बहाली का रहेगा। सभी राजनीतिक पार्टियों का ध्यान पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर केंद्रित करने में दांडी यात्रा अहम साबित होगी। यात्रा में कर्मचारी अपने परिजनों के साथ शामिल होंगे। यात्रा में देश के नौजवानों, शिक्षाविद, सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए सभी लोगों को शामिल किया जाएगा।

अज्ञात वाहन के चपेट में आने से युवक घायल

रुड़की। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 108 सेवा के माध्यम से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही उसके परिजनों को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। पुलिस के अनुसार चुड़ियाला मार्ग पर खेलपुर गांव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार 24 वर्षीय कुलदीप निवासी नागल पलुनी थाना कलियर जनपद हरिद्वार घायल हो गया।

मूल निवास–सशक्त भू कानून को उक्रांद ने रैली निकाली

विकासनगर। उत्तराखंड में मूल निवास 1950 लागू करने और सशक्त भू कानून बनाने की मांग को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल ने घंटे, घंडियाल, शंखनाद के साथ रैली निकाल कर मंदिरों में अरदास लगाई। विकासनगर में उक्रांद कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित करने के बाद काली माता मंदिर में पूजा अर्चना कर अपना मांग पत्र देवी के समक्ष रखा।

उक्रांद के केंद्रीय संरक्षक सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि मूल निवास, सशक्त भू–कानून और राज्य आंदोलनकारियों के मुद्दे को लेकर अनगिनत बार सरकार के समक्ष अपनी मांग रख चुके हैं, लेकिन किसी पर भी सरकार पर इसका कोई असर अब तक नहीं हुआ।

अब आखिरी विकल्प देवी–देवता ही बचे हैं, लिहाजा सभी उक्रांद कार्यकर्ता मां काली के चरणों में आए हैं। पूर्व केंद्रीय उपाध्यक्ष शैलेश गुलेरी ने कहा इस प्रदेश में तभी खुशहाली होगी जब मूल निवास 1950 और सख्त भू कानून लागू होगा। इसके बाद ही बेरोजगारी से निजात मिलेगी। जिला अध्यक्ष गणेश प्रसाद काला ने कहा यूकेडी लगातार मुख्यमंत्री, राज्यपाल, राष्ट्रपति, शासन, प्रशासन एवं राज्य के मुख्य सचिव से लेकर अब तक बनी तमाम सरकारों के पास मूल निवास लागू करने की गुहार लगा चुकी है, लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्रवाई होती नहीं दिखाई दी। जब सारे दरवाजे बंद हो जाएं तो मनुष्य के लिए एक ही दरवाजा खुला रहता है वह ईश्वर का दर है।

साधना केंद्र आश्रम के चंद्रस्वामी उदासीन ब्रह्मलीन

विकासनगर। साधना केंद्र आश्रम डुमेट–बाड़वाला के स्वामी चंद्रस्वामी उदासीन का देहावसान हो गया। उन्होंने शनिवार देर रात आश्रम में अंतिम सांस ली। वह बीते 34 वर्षों से डुमेट–बाड़वाला में रहते हुए साधना करने के साथ ही आसपास के ग्रामीणों के उत्थान के लिए काम कर रहे थे। उनके आश्रम में देश विदेश से साधक आकर ध्यान साधना किया करते हैं। रविवार को ब्रह्मलीन स्वामी का यमुना तट पर अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में योग गुरु रामदेव, आचार्य बालकृष्ण समेत देशभर के अखाड़ों से आए संत महात्मा शामिल हुए। साधना केंद्र आश्रम के साधकों ने बताया कि देह त्यागने के लिए चंद्रस्वामी उदासीन ने बीते 14 दिनों से अन्न जल त्याग कर दिया था। शनिवार देर रात सभी साधकों को अपना आशीर्वाद और स्नेह देने के बाद उन्होंने देह त्याग दी।

रुड़की स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीयल एसो. के दोबारा अध्यक्ष बने बीबी गुप्ता

रुड़की। रुड़की स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन ने अपनी 57वीं वार्षिक आम सभा वार्षिकोत्सव एवं होली मिलन कार्यक्रम धूमधाम से मनाया। संस्था ने सभी सदस्यों की सहमति से पुनः पिछली टीम को आगामी वर्ष के लिए उसी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसमें बीबी गुप्ता अध्यक्ष, राकेश मित्तल उपाध्यक्ष, अजेय गर्ग सचिव, राज कुमार शर्मा सयुंक्त सचिव, एक्यू अंसारी कोषाध्यक्ष बने।वहीं, एचम कपूर, एनपी सिंह, सुनील धीमान, राजीव धामी, तनुज बरतर, बिरेन्द्र शुक्ला नवनिर्वाचित टीम के रूप में औपचारिक तौर पर कार्यभार सौंपा। संस्था सदस्यों ने निवर्तमान कार्यकारणी द्वारा पिछले एक वर्ष में उद्योग हित में किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

बाड़वाला मेले में उमड़ी लोगों की भीड़, बच्चों ने की मौज मस्ती

विकासनगर। महाशिवरात्रि पर्व से शुरू हुए बाड़वाला मेले के तीसरे दिन रविवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने तरह–तरह के झूले, चर्खी और लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। पूरा मेला परिसर लोगों से भरा रहा। झूले, सर्कस, जादू व लगभग जरूरी सामान की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही। मेले में सजी दुकानों में लोगों की जरूरत का लगभग हर सामान उपलब्ध था। बाड़वाला का मेला पांच दिन तक चलता है, लेकिन शुरुआत के तीन दिनों में इसकी रौनक देखते बनती है। तेज आवाज में बजते लाउडस्पीकर, चर्खी, झूले में झूल रहे बच्चों और महिलाओं के चीखने की आवाज से पूरा मेला परिसर गुंजायमान रहा। उम्र चाहे कोई हो मेले में आराम से निशानेबाजी का शौक पूरा कीजिए या मनमाफिक झूले का आनंद लीजिए। स्टूडियो में घुसकर पल भर के राजा–रानी या मनचाहे वेश में फोटो खिंचवाने का भी इंतजाम था। अपने शौक के हिसाब से लोग भरपूर लुत्फ उठा रहे थे। मेले में बच्चे मौज–मस्ती करने में कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते थे। रंग–बिरंगे खिलौनों और गुब्बारों की दुकानों पर वे मचल जाते थे। तमाशे देखने और झूलों का आनंद उठाने में उन्होंने खूब रुचि ली। सौन्दर्य प्रसाधन की दुकानों पर ग्रामीण इलाकों की महिलाओं की भीड़ थी। लजीज व्यंजनों के स्टालों पर लोग अच्छी खासी तादात में चटखारे ले रहे थे। मेले में चाइनीज से लेकर साउथ इंडियन व्यंजन चाउमिन, पिज्जा, बर्गर, पावभाजी, डोसा और उप्पम की दुकानें सजी थीं। जगह–जगह गरम–गरम जलेबी और पकौड़ी भी छन रही थी। घरेलू जरूरत के लिए भी ढेरों दुकानें सजी थीं।

रिवाल्वर तानने के आरोप में मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में घर में घुसकर लाठी–डंडों से हमला करने के मामले में पुलिस ने क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि विवाद के दौरान भाजपा नेता ने अपना लाइसेंसी रिवाल्वर दिखाते हुए हत्या करने की धमकी दी। अपने पिता–भाइयों के साथ मिलकर मारपीट की। मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार, ग्राम गढ़मीरपुर में 12 लोगों के खिलाफ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला कोषाध्यक्ष मेहरबान अंसारी के घर में घुसकर हमला करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। शुक्रवार को हुए इस विवाद में दूसरे पक्ष के राव गुलशेर पुत्र बाबू खां निवासी ग्राम गढ़ ने भी तहरीर दी।

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

विकासनगर। एकल अभियान के तत्वावधान में रविवार को ग्राम वार्षिक महोत्सव मनाया गया। राजकीय इंटर कॉलेज चकराता पुरोड़ी में आयोजित समारोह में एकल अभियान से जुड़े अनेक बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत महासू वंदना से हुई। इसके बाद जौनसारी, गढ़वाली, कुमाउनी, हिमाचली लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी गई। दर्शकों ने छोटे–छोटे बच्चों की जमकर तारीफ की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छात्रसंघ अध्यक्ष विशाल वर्मा रहे। एकल विद्यालय ग्राम स्वराज के प्रमुख कुंदन सिंह चौहान ने बताया कि एकल अभियान एक सामाजिक संगठन है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में एकल अभियान के अंतर्गत बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ संस्कार, सदाचार, शिष्टाचार की शिक्षा भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया एकल अभियान समाज के बीच में कार्य करता है। इस दौरान रीता चौहान, मंजू तोमर, सारिका जोशी, डिंपल, रेखा चौहान, निकिता राणा, साक्षी तोमर, रीता देवी आदि मौजूद रहे।

मैराथन दौड़ आयोजित कर मतदान के प्रति किया जागरूक

चमोली। स्वीप कार्यक्रम के तहत रविवार को खेल विभाग के तत्वाधान में स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर से घिघंराण मोटर मार्ग पर बटलेश्वर मंदिर तक बालकों के लिए 05 किलोमीटर तथा बालिकाओं के लिए 03 किलोमीटर मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। वालीबॉल संघ चमोली के अध्यक्ष अशोक सिंह रावत मैराथन का शुभारंभ किया।

बालक वर्ग में 17 वर्ष से अधिक आयु 73 बालकों ने मिनी मैराथन में प्रतिभाग किया। पीजी कॉलेज गोपेश्वर के रोहित राणा ने प्रथम, जीआईसी हरमनी के रितुल परिहार ने द्वितीय, पीजी कॉलेज गोपेश्वर के चंदन सिंह तृतीय, जीआईसी गोपेश्वर के आयुष फरस्वाण ने चतुर्थ, जीआईसी बैंरागना के तनीष ठाकुर ने पंचम स्थान प्राप्त किया। दौड़ पूरी करने वाले प्रतिभागी बालको में विशिष्ट पुरस्कार पीजी कालेज गोपेश्वर के भूपेन्द्र सिंह, आदर्श विद्या मंदिर गोपेश्वर के वंश कुमार, जीआईसी गोपेश्वर के सनम सिंह, एनपीएस गोपेश्वर के अभय सिंह, पीजी कालेज गोपेश्वर के अशोक सिंह, जीआईसी बैंरागना के कृष रावत, पीजी कॉलेज गोपेश्वर के पवन कुमार जीआईसी गोपेश्वर के कुश बिष्ट, पीजी कॉलेज गोपेश्वर के मनोज सिंह, जीआईसी गोपेश्वर के लव बिष्ट, पीजी कॉलेज गोपेश्वर के आनंद सिंह व सुभाष नगर गोपेश्वर के मयंक रावत को दिया गया।

बालिका वर्ग में 17 वर्ष से अधिक आयु की 49 बालिकाओं ने मैराथन दौड़ में प्रतिभाग किया। पीजी कॉलेज गोपेश्वर की दीया, ऊषा, रश्मि बिष्ट, देवेश्वरी तथा पूनम चौधरी क्रमशः प्रथम से पंचम स्थान प्राप्त किया। दौड पूरी करने वाली प्रतिभागी बालिकाओं में विशिष्ट पुरस्कार पीजी कालेज गोपेश्वर की आरती नेगी, प्रियंका नेगी, लक्ष्मी, रवीना व आरती, पीस पब्लिक स्कूल गोपेश्वर की स्नेहा नेगी, पीजी कालेज गोपेश्वर की सोना, शाका, निधि, हेमलता, प्रियंका रावत व रामचन्द्र भट्ट इण्टर कालेज गोपेश्वर की कृतिका को दिया गया।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com